पाठ-3

मैट्रो-रेल का सुहाना सफर

राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पंजाब प्रदेश की 'योग' की टीम अपने गुरु सुरेन्द्र मोहन के साथ दिल्ली के 'झलकारी बाई राजकीय उच्चतर विद्यालय, अशोक विहार में ठहरी हुई है। आज सभी बच्चे बहुत प्रसन्न हैं क्योंकि गुरु जी ने उन्हें वचन दिया था कि यदि उनकी टीम प्रथम आती है तो उनकी तरफ से सभी बच्चों को 'मैट्रो-रेल' के सुहावने सफर का उपहार दिया जाएगा। गुरु जी भी बहुत हर्षित हैं क्योंकि उनकी टीम ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर पंजाब प्रदेश के नाम को चार चाँद लगा दिए हैं। बच्चों के दिल भी बल्लियों उछलने लगे जब गुरु जी ने कहा, "बच्चो! आज हम सभी 'मैट्रो-रेल के द्वारा लाल किला देखने जायेंगे।"

खिलाड़ियों वाले नीले रंग के ट्रैक-सूट पहने सभी बच्चे गुरु जी की आज्ञा पाकर निकट के 'मैट्रो-रेल' स्टेशन कन्हैया नगर की ओर पंक्तियाँ बनाकर बड़े उत्साह से चलने लगे। अनुशासन में आगे बढ़ते बच्चों के ट्रैक सूटों पर छपा 'पंजाब' सभी की शोभा बढ़ा रहा था। जैसे ही सभी कन्हैया नगर स्टेशन पर पहुँचे तो राजीव ने कहा "गुरु जी! रेलगाड़ी तो ज़मीन पर चलती है, पर यहाँ तो लगता है कि स्टेशन इस सड़क पर बने पुल के ऊपर है।" गुरु जी ने बड़े प्यार से समझाया।

"बेटा राजीव, मैट्रो रेलगाड़ी की यही तो विशेषता है कि परिस्थिति और सुविधा अनुसार इसकी पटरी ज़मीन पर या सड़क पर पुल बनाकर या फिर ज़मीन के नीचे सुरंग खोदकर बिछाई गई है ताकि कम समय में अधिक फासला आसानी से तय किया जा सके।" यह सुनकर प्रतिभा बोली-

"गुरु जी! हमारी गाड़ी कौन-से रास्ते से जाएगी?"

"गाड़ी में बैठकर खिड़की के शीशे से आराम से देखना, तुम्हें पता चल जाएगा और आनंद भी आएगा।" गुरु जी ने उत्तर दिया। प्रतिभा खुशी से उछल पड़ी और अपने साथियों से कहने लगी, "मैं तो खिड़की वाली सीट पर बैठूँगी।" गुरु जी ने हँसते हुए कहा -

"अच्छा, सभी खिड़की वाली सीट पर बैठ जाना। अब तुम सब पंक्ति में ध्यानपूर्वक सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर स्टेशन पर जाओ।"

भास्कर ने बड़ी उत्सुकता से पूछा -

"गुरु जी यहाँ तो लिफ्ट भी लगी हुई है। फिर हम सीढ़ियों से क्यों जा रहे हैं?"

गुरु जी ने सभी को समझाते हुए कहा, "बच्चो! लिफ्ट की सुविधा का प्रयोग वृद्धों और बीमारों के लिए तथा अपाहिजों को पहिया-कुर्सी सहित लाने ओर ले जाने के लिए किया जाता है।

Anwar Husain GMS Khanora Fatehgarh Sahib

हम सब तो स्वस्थ हैं, सीढ़ियाँ चढ़ सकते हैं।'' लिफ्ट के पास खड़े कर्मचारी ने बीच में बोलते हुए कहा, ''बच्चो! आपके गुरु जी ठीक कह रहे हैं और यह देखो इसीलिए ही लिफ्ट खोलने का बटन भी कम ऊँचाई पर लगाया गया है।''

जैसे ही सभी बच्चे स्टेशन पर पहुँचे वे स्टेशन की साफ़-सफ़ाई और सजावट देखकर दंग रह गए। चमकता संगमरमर का फर्श, अत्याधुनिक बिजली उपकरणों और सामान्य सुविधाओं से सजे स्टेशन को देखकर बच्चे खुशी से झूम उठे। स्टेशन पर स्थान-स्थान पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बड़ी ही सुन्दर वर्दी में सुरक्षा-कर्मी तैनात थे। गुरु जी ने सभी का समूह पास बनवाकर बच्चों को सुरक्षा-जाँच के लिए बने एक यन्त्र में से निकलने के लिए पंक्ति में आने को कहा। राजीव ने अनायास ही पूछा -

''गुरु जी, हम जालन्धर रेलवे स्टेशन पर भी ऐसे ही यन्त्र से निकलकर आए थे, आखिर यह यन्त्र क्या होता है?''

गुरु जी ने बताया, ''बेटा! यह यन्त्र किसी भी विस्फोटक सामग्री के पास आते ही स्वत: ही एक विशेष ध्वनि निकालने लगता है। इसी कारण यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह यन्त्र हर रेलवे स्टेशन पर लगाया जाता है।'' इसके पश्चात सुरक्षा कर्मी ने सभी की जाँच की और सभी प्रवेश द्वार पार करके प्लेटफार्म की तरफ बढ़ने लगे। स्टेशन पर ही यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्तरां, कॉफी की दुकानें, किताबों की दुकानें और नकदी निकालने के लिए ए०टी०एम० जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध थीं।

मनीश ने पूछा, ''गुरु जी सभी लोग तो उस मशीन वाले रास्ते से जा रहे हैं, हम उधर से क्यों नहीं गए?'' गुरु जी ने कहा -

''आओ, इस कर्मचारी से पूछते हैं।''

कर्मचारी से पूछने पर उसने सभी बच्चों को मशीन की एक तरफ खड़ा करके बताना शुरू किया कि यह स्वचालित प्रवेश द्वार है। एक यात्रा के लिए एक टोकन प्रति यात्री (टोकन दिखाते हुए) दिया जाता है जिसे इस मशीन के निकट लाने से प्रवेश द्वार खुल जाता है और यात्री इसमें

Anwar Husain GMS Khairra Fatehgarh sahib

सें निकल जाता है। इसी तरह रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए (स्मार्ट कार्ड दिखाते हुए) स्मार्ट कार्ड की सुविधा उपलब्ध है। इस कार्ड को मशीन के पास लाने से एक तो यात्रा के अनुसार उसमें से स्वत: ही किराया कट जाता है और दूसरे जो समय टोकन खरीदने में लगता है वह भी बच जाता है। इसके इलावा मैट्रो-रेल पर्यटकों के लिए एक से तीन दिन की असीमित मैट्रो-रेल यात्रा के लिए पर्यटक कार्ड भी उपलब्ध करवाता है। आपका समूह बड़ा होने कारण आपका समूह-पास बनाया गया है इसीलिए आपको इस स्वचालित द्वार की अपेक्षा विशेष प्रवेश-द्वार द्वारा प्रवेश करवाया गया। उसने कहा, ''चलो, आपकी गाड़ी का समय होने वाला है, मैं आपको गाड़ी में बैठाकर आता हूँ।''

प्लेटफार्म पर पहुँचकर बच्चों ने महसूस किया कि वहाँ पर इतनी साफ़-सफ़ाई है जैसे, यहाँ कभी किसी ने पैर भी न रखा हो। तभी भास्कर रेलगाड़ी देखने के लिए प्लेटफार्म के किनारे पर जा पहुँचा। गुरु जी ने और उस कर्मचारी ने उसी समय भास्कर को दौड़कर पकड़ा और बाकी बच्चों के पास लाकर प्यार से समझाया कि गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय कभी भी प्लेटफार्म पर बनी पीली-पट्टी को पार नहीं करना चाहिए। गुरु जी ने कर्मचारी को अनुरोध किया कि जब तक गाड़ी नहीं आती तब तक बच्चों को वे मैट्रो-रेल के विषय में और जानकारी दें। कर्मचारी ने बताना प्रारम्भ किया कि कभी भी रेल की पटरी पर नहीं जाना चाहिए। प्लेटफार्म पर थूकना, गंदगी फैलाना या कोई वस्तु खाना पीना दण्डनीय अपराध है। यदि कोई वस्तु, पटरी पर गिर भी जाए तो उसे उठाने का प्रयास न करें। इस स्थिति में मैट्रो-रेल के अधिकारियों से ही सम्पर्क करना चाहिए। गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय जिस दिशा में यात्रा करनी हो उसी दिशा में मुँह करके खड़े होना चाहिए। तभी गुरु जी ने सूचना पट्ट पर देखते हुए कहा, ''गाड़ी के पहुँचने का समय हो गया है, हमें तैयार रहना चाहिए।'' इससे पहले कि वह कर्मचारी कुछ कहता गाड़ी के पहुँचने की उद्घोषणा होने लगी कि रिठाला से इन्द्रलोक और कश्मीरी गेट होते हुए दिलशाद गार्डन जाने वाली मैट्रो कुछ ही समय में प्लेटफार्म पर पहुँच रही है।

उद्घोषणा के बाद किरन ने हैरानी से पूछा, ''गुरु जी! हमने तो लाल किला जाना है लेकिन इस स्टेशन का नाम इस उद्घोषणा में क्यों नहीं लिया गया?'' गुरु जी ने बताया -

''बेटी, हम कश्मीरी गेट पहुँचकर वहाँ से चाँदनी चौंक जाने वाली मैट्रो में बैठेंगे और वहाँ से लाल किला के लिए हम पैदल चलकर जा सकते हैं।'' गुरु जी की बात समाप्त होते ही गाड़ी प्लेटफार्म पर आ पहुँची थी। कर्मचारी ने गुरु जी से कहा, ''आप आराम से बच्चों को गाड़ी में चढ़ायें, मैं तब तक चालक को गाड़ी रोके रखने के लिए बोलकर आता हूँ।'' सभी बच्चे खुशी-खुशी गाड़ी में चढ़कर सीटों पर ऐसे बैठ गए जैसे कोई किला फतह कर लिया हो।

गाड़ी के स्वचालित द्वार अपने आप ही बन्द हो गए और गाड़ी ने अपनी गति पकड़नी शुरू कर दी। सभी बच्चों के चेहरे खुशी और उत्साह से चमक रहे थे। राजीव से रहा न गया वह बोला, ''गुरु जी, मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे हम सभी किसी विमान में उड़ रहे हैं।'' सभी बच्चे एक

Anwar Hussain GMS Kharora Fatehgarh Sahib

साथ बोले, ''हमें भी!'' गुरु जी ने कहा, ''बहुत बढ़िया बच्चो, लेकिन शोर नहीं मचाना।'' प्रतिभा एकटक खिड़की के शीशे से बाहर का नज़ारा देख रही थी। उसने बड़ी हैरानी से कहा, ''यह खिड़की तो खुलती ही नहीं।'' गुरु जी ने बताया -

''बेटा यह पूरी गाड़ी वातानुकूलित है, इसीलिए इसके शीशे स्थायी तौर पर बन्द होते हैं।''

भास्कर एकाएक बोल उठा, ''तभी मैं कहूँ, बाहर तो इतनी गर्मी थी और अन्दर मुझे ठण्ड लग रही है।''

गाड़ी के अन्दर दोनों तरफ बैठने के लिए एक दरवाज़े से दूसरे दरवाज़े तक लम्बी सीटों पर बैठे बच्चे बाहर का नज़ारा देखकर बहुत प्रसन्न हो रहे थे और आपस में चुहलबाज़ी करके अपना मन बहला रहे थे। जैसे ही अगला स्टेशन आने वाला होता गाड़ी के अन्दर स्पीकरों के माध्यम से उद्घोषणा होती कि कुछ ही समय में अगला स्टेशन (नाम बोल कर) आने वाला है और किस ओर के दरवाज़े खुलेंगे यह भी बताया जाता। जैसे ही गाड़ी स्टेशन पर रुकती स्वचालित द्वार अपने आप खुल जाते और यात्रियों के उतरने और चढ़ने के पश्चात स्वत: ही बन्द भी हो जाते। पूरी गाड़ी में खिड़कियों के ऊपर स्थान-स्थान पर इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट लगे हुए थे जिन पर लगातार आने वाले स्टेशनों की जानकारी हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में दी जा रही थी। गाड़ी कन्हैया नगर से चलकर पहले इन्द्रलोक स्टेशन, फिर शास्त्री नगर, प्रताप नगर और तीस हजारी स्टेशनों पर रुकती हुई कश्मीरी गेट पहुँचने ही वाली थी कि गुरु जी कहने लगे, ''बच्चो! अगले स्टेशन पर उतरने के लिए तैयार हो जाओ।'' कश्मीरी गेट स्टेशन आते ही जैसे ही गाड़ी रुकी, द्वार खुलते ही मैट्रो रेल का एक कर्मचारी हमारी सहायता के लिए खड़ा था। उसे कन्हैया नगर स्टेशन से अधिकारियों ने हमारे आने की सूचना पहले ही दे दी थी। ट्रैक सूट पर 'पंजाब' छपा देखकर उसे बच्चों को पहचानने में देर न लगी। गाड़ी से उतरने के पश्चात वह सभी को स्वचालित सीढ़ियों के द्वारा भूमिगत प्लेटफार्म पर ले गया। उसने बताया कि इसी प्लेटफार्म पर आपको चाँदनी चौंक स्टेशन के लिए मैट्रो मिलेगी। सिमरन ने डरते हुए पूछा, ''गुरु जी, यह तो कोई सुरंग-सी लगती है ; मुझे तो बहुत डर लग रहा है।'' गुरु जी ने कहा -

Anwar Husain CMSK arora Fatehgarh Sahib

''डरने की कोई बात नहीं है, अगला स्टेशन चाँदनी चौंक ही है। इस बार बच्चे बड़े आराम से निश्चिन्त होकर मैट्रो में चढ़े और खुशी-खुशी चाँदनी चौंक स्टेशन पर उतरे। सभी यात्री अपना-अपना टोकन, स्मार्ट-कार्ड या पर्यटक-कार्ड निकास-द्वार की मशीन के पास लाते और स्वचालित द्वार खुलने पर बाहर निकल जाते। सभी बच्चों ने यह नज़ारा विशेष निकास द्वार से निकलते हुए देखा। चाँदनी चौंक से लाल किले की तरफ बढ़ते बच्चे बस मैट्रो-रेलगाड़ी की ही बातें कर रहे थे जैसे उन्होंने कोई अजूबा देख लिया हो।

अभ्यास

1. **नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-**

ਜੋਗ	=	योग	ਰੇਲਵੇ ਸਟੇਸ਼ਨ	=	रेलवे स्टेशन
ਮੈਟਰੋ ਰੇਲ	=	मैट्रो रेल	ਪਲੇਟਫਾਰਮ	=	प्लेटफार्म
ਲਿਫਟ	=	लिफ्ट	ਸਵੈ-ਚਾਲਿਤ	=	स्वचालित

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-**

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਖੇਡਾਂ	=	राष्ट्रीय खेलें	ਕਸੂਰ/ਦੋਸ਼	=	अपराध
ਸਰਕਾਰੀ	=	राजकीय	ਸੁਰੱਖਿਆ ਕਰਮਚਾਰੀ	=	सुरक्षाकर्मी
ਸਕੂਲ	=	विद्यालय	ਇੰਤਜ਼ਾਰ	=	प्रतीक्षा
ਖਿਡਾਰੀ	=	खिलाड़ी	ਪੌੜੀਆਂ	=	सीढ़ियाँ
ਯਾਤਰੀ	=	पर्यटक	ਬੁੱਢੇ	=	वृद्ध
ਅਪੰਗ	=	अपाहिज	ਯੰਤਰ	=	उपकरण

3. **शब्दार्थ**

उपहार	=	भेंट
लिफ्ट	=	बड़ी इमारतों में ऊपर ले जाने वाला यान स्वरूप यंत्र
अपाहिज	=	अपंग
विस्फोटक सामग्री	=	विस्फोट करने वाला पदार्थ
स्वचालित प्रवेश द्वार	=	अपने आप खुलने वाला दरवाज़ा
दण्डनीय अपराध	=	दंडित किए जाने योग्य अपराध
उद्घोषणा	=	ऊँची आवाज़ में कहना, सरकारी घोषणा
वातानुकूलित	=	हवा के तापमान के अनुकूल बनाया गया
इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट	=	बिजली से चलने वाला पटल जिस पर लगातार सूचनाएँ दी जाती हैं
भूमिगत प्लेटफार्म	=	भूमि के अंदर बना प्लेटफार्म

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

4. इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) गुरु जी ने बच्चों को क्या वचन दिया था?

(ख) कैसे पता चलता है कि ये बच्चे पंजाब से आये हैं?

(ग) मैट्रो रेल की पटरी कहाँ-कहाँ बिछाई जाती है?

(घ) लिफ्ट का प्रयोग किन लोगों के लिए किया जाता है?

(ङ) स्टेशन पहुँचने पर बच्चे क्या देखकर हैरान हुये?

(च) स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा-जाँच कैसे की जाती है?

(छ) स्वचालित प्रवेश द्वार किस प्रकार कार्य करता है?

(ज) स्मार्ट कार्ड का क्या उपयोग है?

(झ) पर्यटक कार्ड द्वारा कितने दिन तक यात्रा कर सकते हैं?

(ञ) गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय कौन-से रंग की पट्टी से आगे नहीं जाना चाहिए?

(ट) प्लेटफार्म पर हमें क्या-क्या नहीं करना चाहिए?

(ठ) मैट्रो गाड़ी की खिड़कियाँ क्यों नहीं खुलतीं?

(द) इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट पर क्या सूचनाएँ दी जाती हैं?

1. गुरुजी ने बच्चों को वचन दिया कि यदि वह योग प्रतियोगिता में प्रथम आते हैं तो उन्हें मैट्रो रेल का सुहाना सफर इनाम के तौर पर दिया जाएगा।
2. बच्चों के ट्रैक सूट पर पंजाब लिखा होने से पता चलता है कि यह बच्चे पंजाब से आए हैं।
3. मैट्रो रेल की पटरी जमीन पर पुल बनाकर और सुरंग बनाकर बिछाई जाती हैं।
4. लिफ्ट का प्रयोग वृद्धों, बीमारों और अपाहिजों के लिए किया जाता है।
5. स्टेशन पहुंचने पर बच्चे स्टेशन की सफाई और सजावट देखकर हैरान हुए।
6. स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा जांच एक यंत्र में से निकाल कर की जाती है।
7. स्वचालित प्रवेश द्वार टिकट या स्मार्ट कार्ड छूने से अपने आप खुल जाता है और यात्री के निकल जाने से अपने आप बंद हो जाता है।
8. हर रोज यात्रा करने वाले स्मार्ट कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। उन्हें बार-बार टिकट खरीदने नहीं पड़ती।
9. पर्यटक कार्ड से 1 से 3 दिन की यात्रा कर सकते हैं।
10. गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय पीले रंग की पट्टी से आगे नहीं जाना चाहिए।
11. प्लेटफार्म पर गंदगी फैलाना और थूकना नहीं चाहिए।
12. मैट्रो गाड़ी पूरी तरह वातानुकूलित होती है इसलिए इसकी खिड़कियां नहीं खुलती।
13. इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट पर आने वाले स्टेशनों की सूचनाएं दी जाती हैं।

5. इन प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

(क) मैट्रो स्टेशन आम स्टेशन से किस प्रकार भिन्न है?

(ख) टोकन, स्मार्ट कार्ड और पर्यटक कार्ड में क्या अन्तर है?

(ग) मैट्रो गाड़ी के स्वचालित द्वार द्वारा जाने और निकलने में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिये?

1. मैट्रो स्टेशन आम स्टेशन से कई बातों में भिन्न है । यहां की सफाई और सजावट काफी प्रभावित करने वाला होती है। आम स्टेशन के मुकाबले यहां पर सुरक्षा प्रबन्ध ज्यादा कड़े होते हैं। गाड़ियों के समय का भी बहुत ध्यान रखा जाता है।
2. एक बार सफर करने के लिए टोकन लिया जाता है। जिन यात्रियों को हर रोज सफर करना पड़ता है वह एक बार स्मार्ट कार्ड खरीद कर उससे बार-बार सफर कर सकते हैं और पर्यटक कार्ड 1 से 3 दिन की यात्रा करने के लिए पर्यटकों के लिए होता है।
3. मेट्रो गाड़ी की स्वचालित द्वार द्वारा जाने और निकलने में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए पहली बात कभी भी जल्दी नहीं करनी चाहिए दरवाजों के पूरी तरह खुल जाने का इंतजार करना चाहिए। दरवाजे से सटकर कभी खड़े नहीं होना चाहिए दरवाजे से दूरी बनाकर खड़े रहना चाहिए।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

6. **बहुवचन रूप लिखें :-**

खेल	= खेलों	पंक्ति	= पंक्तियाँ
वृद्ध	= वृद्धों	सीढ़ी	= सीढ़ियाँ
स्टेशन	= स्टेशनों	खिड़की	= खिड़कियाँ

7. **इन वाक्यों में सर्वनाम शब्द पर गोला लगायें :-**

(क) (हम) लाल किला देखने जायेंगे।
(ख) (तुम्हें) पता चल जायेगा।
(ग) मैं (आपको) गाड़ी में बैठाकर आता हूँ।
(घ) (उसने) कहा, "चलो, (आपकी) गाड़ी का समय होने वाला है।"
(ङ) (उसे) कन्हैया नगर स्टेशन से अधिकारियों ने (हमारे) आने की सूचना पहले ही दे दी थी।

8. **'असीमित' शब्द में 'अ' लगाकर विपरीत शब्द बना है। इसी प्रकार अन्य विपरीत शब्द बनायें:-**

अ + सुविधा =	असुविधा	अ + सुर =	असुर
अ + सहयोग =	असहयोग	अ + भिन्न =	अभिन्न

9. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग करें :-**

दिल बल्लियाँ उछलना	बहुत खुश होना	
दंग रह जाना	हैरान रह जाना	अपने आप वाक्य बनाओ
खुशी से झूम उठना	बहुत खुश होना	
मन बहलाना	दिल लगाना	

10. **नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रखकर सार्थक शब्द बनायें :-**

गालरेड़ी	= _____	नुशाअसन	= _____	लासफा	= _____
पहाउर	= _____	मगसंरम	= _____	फालेप्टर्म	= _____
लीजबि	= _____	टवसजा	= _____	अरोधनु	= _____
पअराध	= _____	किलेलाला	= _____	वानुकूतलिता	= _____
जापंब	= _____	लतारगा	= _____	भूतगमि	= _____
कानिस	= _____	रीजाकान	= _____	अबाजू	= _____

अपने आप करो अपने आप करो अपने आप करो

11. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में कारक बतायें :-**

(क) भास्कर रेलगाड़ी देखने के लिए प्लेटफार्म के किनारे पर जा पहुँचा। — सम्प्रदान कारक
(ख) आज हम सभी मैट्रो रेल के द्वारा जायेंगे। — करण कारक
(ग) प्रतिभा खिड़की वाली सीट पर बैठ गयी। — अधिकरण कारक
(घ) सभी स्वचालित सीढ़ियों के द्वारा भूमिगत प्लेटफार्म पर पहुँच गये। — करण कारक
(ङ) गुरु जी ने बच्चों को बड़े प्यार से समझाया। — कर्त्ता कारक
(च) हमने राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया। — अधिकरण कारक

12. **रचनात्मक अभिव्यक्ति :-**

(क) **मौखिक अभिव्यक्ति**
जिन शहरों में मैट्रो रेल की सुविधा हो वहाँ इस रेल की यात्रा का आनन्द जरूर लें और अपने अनुभव सहपाठियों को बतायें।

(ख) **लिखित अभिव्यक्ति**
(i) अपनी सहेली/मित्र को पत्र लिखो जिसमें मैट्रो यात्रा का वर्णन किया गया हो।
(ii) 'मैट्रो रेल यात्रा' का अनुभव डायरी में लिखें।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

मैट्रो रेल का सुहाना सफर

शिक्षा विभाग, पंजाब कक्षा- आठवीं, पाठ- तीन

- मार्गदर्शक- डा. सुनील बहल, सहायक निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.
- शोधक- राजन, हिंदी अध्यापक,स.मि.स्कूल, लोहारका कलां, अमृतसर

सौजन्य - संयुक्त प्रयास, हिंदी शिक्षक युगल, ज़िला – जालंधर

ललित कुमार
हिंदी अध्यापक
स.सी.से.स्कूल
काला बकरां
जालंधर

पंकज माहर
हिंदी अध्यापिका
स.मा.सी.से.स्कूल
लाडोवाली रोड
जालंधर

अभ्यास

1. **नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-**

ਯੋਗ	=	योग	ਰੇਲਵੇ ਸਟੇਸ਼ਨ	=	रेलवे स्टेशन
ਮੈਟਰੋ ਰੇਲ	=	मैट्रो रेल	ਪਲੇਟਫਾਰਮ	=	प्लेटफार्म
ਲਿਫਟ	=	लिफ्ट	ਸਵੈ-ਚਾਲਿਤ	=	स्वचालित

2. **नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें :-**

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਖੇਡਾਂ	=	राष्ट्रीय खेलें	ਕਸੂਰ/ਦੋਸ਼	=	अपराध
ਸਰਕਾਰੀ	=	राजकीय	ਸੁਰੱਖਿਆ ਕਰਮਚਾਰੀ	=	सुरक्षाकर्मी
ਸਕੂਲ	=	विद्यालय	ਇੰਤਜ਼ਾਰ	=	प्रतीक्षा
ਖਿਡਾਰੀ	=	खिलाड़ी	ਪੌੜੀਆਂ	=	सीढ़ियाँ
ਯਾਤਰੀ	=	पर्यटक	ਬੁੱਢੇ	=	वृद्ध
ਅਪੰਗ	=	अपाहिज	ਯੰਤਰ	=	उपकरण

3. **शब्दार्थ**

उपहार	=	भेंट
लिफ्ट	=	बड़ी इमारतों में ऊपर ले जाने वाला यान स्वरूप यंत्र
अपाहिज	=	अपंग
विस्फोटक सामग्री	=	विस्फोट करने वाला पदार्थ
स्वचालित प्रवेश द्वार	=	अपने आप खुलने वाला दरवाज़ा
दंडनीय अपराध	=	दंडित किए जाने योग्य अपराध
उद्घोषणा	=	ऊँची आवाज़ में कहना, सरकारी घोषणा
वातानुकूलित	=	हवा के तापमान के अनुकूल बनाया गया
इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट	=	बिजली से चलने वाला पटल जिस पर लगातार सूचनाएँ दी जाती हैं
भूमिगत प्लेटफार्म	=	भूमि के अंदर बना प्लेटफार्म

4) इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

क) गुरु जी ने बच्चों को क्या वचन दिया था ?

उत्तर) गुरु जी ने बच्चों को वचन दिया था कि टीम के प्रथम आने पर उन्हें मैट्रो रेल के सुहावने सफ़र का उपहार दिया जाएगा |

ख) कैसे पता चलता है कि ये बच्चे पंजाब से आये हैं ?

उत्तर) बच्चों के नीले रंग के खिलाडियों वाले ट्रैक सूट पर 'पंजाब' शब्द छपा हुआ है जिससे पता चलता है कि ये बच्चे पंजाब से आये हैं |

ग) मैट्रो रेल की पटरी कहाँ-कहाँ बिछाई जाती हैं ?

उत्तर) मैट्रो रेल की पटरी ज़मीन पर, सड़क पर या ज़मीन के नीचे सुरंग खोदकर बिछाई जाती है |

घ) लिफ्ट का प्रयोग किन लोगों के लिए किया जाता है ?

उत्तर) लिफ्ट का प्रयोग वृद्धों, रोगियों तथा अपाहिजों को पहिया--कुर्सी सहित लाने और ले जाने के लिए किया जाता है |

ड.) स्टेशन पहुँचने पर बच्चे क्या देखकर हैरान हुए ?

उत्तर) स्टेशन की साफ़-सफ़ाई, सजावट, चमकता संगमरमर का फ़र्श और अत्याधुनिक बिजली उपकरणों को देखकर बच्चे हैरान रह गए |

च) स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा-जाँच कैसे की जाती है ?

उत्तर) स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा-जाँच एक विशेष यंत्र के ज़रिये की जाती है जो किसी भी विस्फोटक सामग्री के पास आते ही स्वतः ही एक विशेष ध्वनि निकालने लगता है |

छ) स्वचालित प्रवेश द्वार किस प्रकार कार्य करता है ?

उत्तर) स्वचालित प्रवेश द्वार प्रत्येक यात्री के लिए जारी किये गए टोकन अथवा स्मार्ट कार्ड को मशीन के निकट लाने पर खुल जाता है |

ज) स्मार्ट कार्ड का क्या उपयोग है ?

उत्तर) स्मार्ट कार्ड की सुविधा रोज़ाना यात्रा करने वाले यात्रियों को उपलब्ध कराई जाती है |

झ) पर्यटक कार्ड द्वारा कितने दिन तक यात्रा कर सकते हैं ?

उत्तर) पर्यटक कार्ड द्वारा एक से तीन दिन तक असीमित मैट्रो रेल यात्रा की जा सकती है |

ञ) गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय कौन से रंग की पट्टी से आगे नहीं जाना चाहिए ?

उत्तर) गाड़ी की प्रतीक्षा करते समय कभी भी प्लेटफार्म पर बनी पीली पट्टी को पार नहीं करना चाहिए |

त) प्लेटफार्म पर हमें क्या-क्या नहीं करना चाहिए ?

उत्तर) प्लेटफार्म पर हमें थूकने ,गंदगी फैलाने और कोई वस्तु खाने-पीने से परहेज़ करना चाहिए |

थ) मैट्रो गाड़ी की खिड़कियाँ क्यों नहीं खुलतीं ?

उत्तर) मैट्रो गाड़ी के पूरी तरह वातानुकूलित होने के कारण इसके शीशे स्थायी तौर पर बंद होते हैं, इसीलिए इसकी खिड़कियाँ नहीं खुलतीं |

द) इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट पर क्या सूचनाएँ दी जाती हैं ?

उत्तर) इलैक्ट्रॉनिक सूचना पट्ट पर आने वाले स्टेशन की जानकारी हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में दी जाती है |

5) इन प्रश्नों के उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें :-

क) मैट्रो स्टेशन आम स्टेशन से किस प्रकार भिन्न है ?

उत्तर) मैट्रो स्टेशन आम स्टेशन के मुकाबले चमकते संगमरमर के फ़र्श, अत्याधुनिक बिजली उपकरणों और सामान्य सुविधाओं से सुसज्जित होता है | मैट्रो स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्तरां, कॉफी की दुकानें, किताबों की दुकानें और नकदी निकालने के लिए ए. टी. एम. जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं | इसके अतिरिक्त मैट्रो स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगा विशेष यंत्र, यात्रियों की सुविधा के लिए लगी लिफ्ट और स्वचालित प्रवेश-द्वार जैसी अनेक सुविधाएँ मैट्रो स्टेशन को आम स्टेशन से भिन्न करती हैं |

ख) टोकन, स्मार्ट कार्ड और पर्यटक कार्ड में क्या अंतर है ?

उत्तर) टोकन का प्रयोग प्रत्येक यात्री के लिए टिकट के रूप में किया जाता है | स्मार्ट कार्ड का प्रयोग रोज़ाना यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा किया जाता है | पर्यटक कार्ड का प्रयोग एक से तीन दिन तक की असीमित मैट्रो-रेल यात्रा के लिए किया जाता है |

ग) मैट्रो गाड़ी के स्वचालित द्वार द्वारा जाने और निकलने में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर) मैट्रो गाड़ी के स्वचालित द्वार द्वारा प्रवेश करते समय टोकन, स्मार्ट-कार्ड या पर्यटक-कार्ड को मशीन के निकट लाने पर प्रवेश द्वार खुल जाता है और यात्री इसमें से निकल जाता है | इसलिए स्वचालित द्वार द्वारा जाने और निकलने के लिए यात्रियों को सतर्क और सावधान रहना चाहिए |

घ) भूमिगत प्लेटफार्म से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर) भूमिगत शब्द का अर्थ है :-'भूमि के नीचे गया हुआ' | इस प्रकार भूमिगत प्लेटफार्म का अर्थ है :-'ज़मीन के नीचे सुरंग खोदकर बनाये गए मैट्रो स्टेशन का ऐसा प्लेटफार्म', जिसे भूमि अर्थात धरती के नीचे बनाया गया हो | भूमिगत प्लेटफार्म देखने में किसी सुरंग जैसा दिखाई देता है |

प्रश्न 6) बहुवचन रूप लिखें :-

एकवचन	बहुवचन
खेल	खेलों (विभक्ति चिह्न के साथ प्रयोग)
वृद्ध	वृद्धजन
स्टेशन	स्टेशनों (विभक्ति चिह्न के साथ प्रयोग)
पंक्ति	पंक्तियाँ
सीढ़ी	सीढ़ियाँ
खिड़की	खिड़कियाँ

प्रश्न 7) इन वाक्यों में सर्वनाम शब्द पर गोला लगाएं :-

क) (हम) लाल किला देखने जायेंगे ।

ख) (तुम्हें) पता चल जायेगा ।

ग) (मैं) (आपको) गाड़ी में बिठा कर आता हू ।

घ) (उसने) कहा, "चलो (आपकी) गाड़ी का समय होने वाला है ।"

ड.) (उसे) कन्हैया नगर स्टेशन से अधिकारियों ने (हमारे) आने की सूचना पहले ही दे दी थी ।

प्रश्न 8) 'असीमित' शब्द में 'अ' लगाकर विपरीत शब्द बना है । इसी प्रकार अन्य विपरीत शब्द बनायें :-

अ + सुविधा = असुविधा
अ + सहयोग = असहयोग
अ + सुर = असुर
अ + भिन्न = अभिन्न

प्रश्न 9) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग करें :-

1) दिल बल्लियों उछलना = बहुत खुश होना :- सर्कस में हाथी के करतब देखकर बच्चों का दिल बल्लियों उछलने लगा ।
2) दंग रह जाना = हैरान रह जाना :- मैट्रो स्टेशन की सुरक्षा-व्यवस्था देखकर बच्चे दंग रह गए ।
३) खुशी से झूम उठना = बहुत प्रसन्न होना :- मैट्रो रेल की यात्रा करके बच्चे खुशी से झूम उठे ।
4) मन बहलाना = मनोरंजन करना :- छात्र शाम के समय खेल-कूद कर अपना मन बहलाते हैं ।

प्रश्न 10 , नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उचित क्रम में रखकर सार्थक शब्द बनायें :-

गालरेड़ी = रेलगाड़ी
पहाउर = उपहार
लीजबि = बिजली
परआध = अपराध
जापंब = पंजाब
कानिस = निकास
नुशाअसन = अनुशासन
मंगसंररम = संगमरमर
टवसजा = सजावट
किललाला = लालकिला
लतारगा = लगातार
रीजाकान = जानकारी
लासफा = फासला
फालेप्टर्म = प्लेटफार्म
अरोधनु = अनुरोध

वानुकूतलिता = वातानुकूलित
भूतगमि = भूमिगत
अबाजू = अजूबा

प्रश्न 11) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों में कारक बताएं -

क) भास्कर रेलगाड़ी देखने के लिए प्लेटफार्म के किनारे पर जा पहुँचा। - संप्रदान कारक

ख) आज हम सभी मैट्रो रेल के द्वारा जायेंगे । - करण कारक

ग) प्रतिभा खिड़की वाली सीट पर बैठ गयी । - अधिकरण कारक

घ) सभी स्वचालित सीढ़ियों के द्वारा भूमिगत प्लेटफार्म पर पहुँच गये । - करण कारक

ड.) गुरुजी ने बच्चों को बड़े प्यार से समझाया । - कर्ता कारक

च) हमने राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया । - अधिकरण कारक